हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 104 | देहरादून, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

बद्री केदार को मुकेश अंबानी ने दान किया 5 करोड़ 3

पीएम मोदी ने जागेश्वर धाम पहुंचकर की पूजा-अर्चना, भगवान जागनाथ का लिया आशीर्वाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 13 अक्टूबर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तराखंड के पांचवें धाम के रूप में प्रसिद्ध जागेश्वर धाम पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा देश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 11:40 बजे शौकियाथल पहुंचे ।

इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम पहुंचे। 124 मंदिरों के समूह जागेश्वर धाम में उन्होंने सर्वप्रथम जागेश्वर गर्भगृह में करीब 7 मिनट तक पूजा कर बाबा जागेश्वर के दर्शन किए। इसके पश्चात पुष्टि माता, महामृत्युंजय तथा केदारनाथ में पूजा अर्चना की। इसके पश्चात मंदिर परिसर की परिक्रमा करते हुए अर्धनारेश्वर वृक्ष का अवलोकन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तांबे से बना वाद्य यंत्र तुरही, ताम्र जागेश्वर तथा डमरू उपहार स्वरूप भेंट किया। फ्लीट मार्ग में प्रधानमंत्री ने स्थानीय लोगों का कार से उतरकर अभिवादन स्वीकार किया।

PM मोदी के प्रयासों से अगला दशक उत्तराखंड का : महाराज

4200 करोड़ की परियोजनाओं के उपहार से निखरेगा उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 13 अक्टूबर : प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति, मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा आगमन के दौरान प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं की बड़ी सौगात देकर सिद्ध कर दिया है कि वास्तव में आने वाला दशक उत्तराखंड का ही है।

प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति, मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा आगमन पर प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार देने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का पहले से ही देवभूमि उत्तराखंड से विशेष लगाव रहा है।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराखंड से जुड़ाव और शुरुआती सफर को याद करते हुए कई बार यहां के आध्यात्मिक स्थलों का जिक्र किया है। उत्तराखंड के प्रति उनका अटूट स्नेह इस बात का प्रमाण है कि वह समय-समय पर अपने संबोधन में कई बार कह चुके हैं कि आने वाला दशक उत्तराखंड का है।

महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा पहुंच कर जिस प्रकार से प्रदेश को 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार देने के अलावा आदि कैलाश के दर्शन कर पार्वती कुंड के समीप पुजा अर्चना की और फिर गुंजी गांव पहुंचकर सेना के जवानों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की।

उन्होंने स्थानीय लोगों से मिलने के पश्चात जागेश्वर धाम में शिव आराधना की। निश्चित रूप से उनकी यह पहल उत्तराखंड के विकास और पर्यटन की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगी।महाराज ने कहा कि उत्तराखंड सीमा पर लिपुलेख दर्रे के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिलहाल कोरोना काल से बंद है इसलिए श्रद्धालुओं के लिए आदि कैलाश की यात्रा की शुरुआत की गई है। आदि कैलाश को भारत का कैलाश मानसरोवर कहा जाता है। चीन के कब्जे वाले तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत की परछाई जैसे मानसरोवर झील में दिखती है वैसे ही आदि कैलाश पर्वत की परछाई पार्वती कुंड में पड़ती है जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूजा अर्चना की गई।

क्या ज्यादा मोबाइल और लैपटॉप अंधा बना सकती है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , आज के जमाने में अधिकतर लोग अपना ज्यादातर समय स्मार्टफोन या लैपटॉप पर बिताते हैं. अधिकतर काम भी ऑनलाइन होने लगे हैं और इसकी वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है. इसकी वजह से लोगों को आंखों की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सोशल मीडिया पर कई मामले वायरल हुए हैं, जिसमें दावा किया गया कि लंबे समय तक स्मार्टफोन इस्तेमाल करने से आंखों की रोशनी चली गई. अब सवाल उठता है कि क्या अत्यधिक स्मार्टफोन और लैपटॉप चलाने से अंधेपन की नौबत आ सकती है? इस बारे में आई स्पेशलिस्ट क्या कहते हैं आइये जानते हैं।

ऑप्थाल्मोलॉजी डिपार्टमेंट के कंसल्टेंट बताते हैं कि हमारी आंखों पर स्क्रीन देखने का काफी असर पड़ता है. स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप, कंप्यूटर या टीवी ज्यादा देखने से हमारी आंखों की मसल्स स्ट्रेन रहती हैं और आंखों में दर्द, सिर दर्द, ड्राइनेस व ब्लर विजन की परेशानी हो सकती है. जब लोग लंबे समय तक स्क्रीन देखते हैं, तब पलक नहीं झपकाते हैं. इससे आंखों की हेल्थ प्रभावित होती है. स्क्रीन आई ड्राइनेस की सबसे बड़ी वजह है. इससे आंखों में चुभन, जलन और ब्लरिंग की समस्या हो सकती है. लंबे समय तक स्क्रीन इस्तेमाल करने से हमारी आईसाइट पर असर पड़ता है और लाइट सेंसटिविटी बढ़ जाती है. अधिकतर लोग इसे नजरअंदाज करते हैं, लेकिन इसे गंभीरता से लेकर आंखों का खास खयाल रखना चाहिए.

स्क्रीन ज्यादा देखने से अंधे होने का खतरा ?

क्या हद से ज्यादा स्मार्टफोन और लैपटॉप चलाने से लोग अंधे भी हो सकते हैं, तब डॉक्टर्स कहते हैं कि अभी तक किसी भी रिसर्च में यह बात सामने नहीं आई है और न ही ऐसा कोई मामला देखने को मिला है, जिसके आधार पर यह दावा किया जाए, स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप के ज्यादा इस्तेमाल से विजन में डिस्टरबेंस हो सकता है और आईसाइट वीक हो सकती है. हालांकि यह कहना गलत होगा कि स्क्रीन के ज्यादा इस्तेमाल से परमानेंट ब्लाइंडनेस आ सकती है. स्क्रीन का अत्यधिक इस्तेमाल विजन इंपेयरमेंट पैदा कर सकता है, जिसे लोग टेंपरेरी ब्लाइंडनेस समझ लेते हैं. स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से स्मार्टफोन विजन सिंड्रोम हो सकता है, जिसमें आंखों में दर्द, जलन, हैवीनेस और ड्राईनेस महसूस होती है. कई बार इससे चीजों पर फोकस करने में भी दिक्कत आती है.

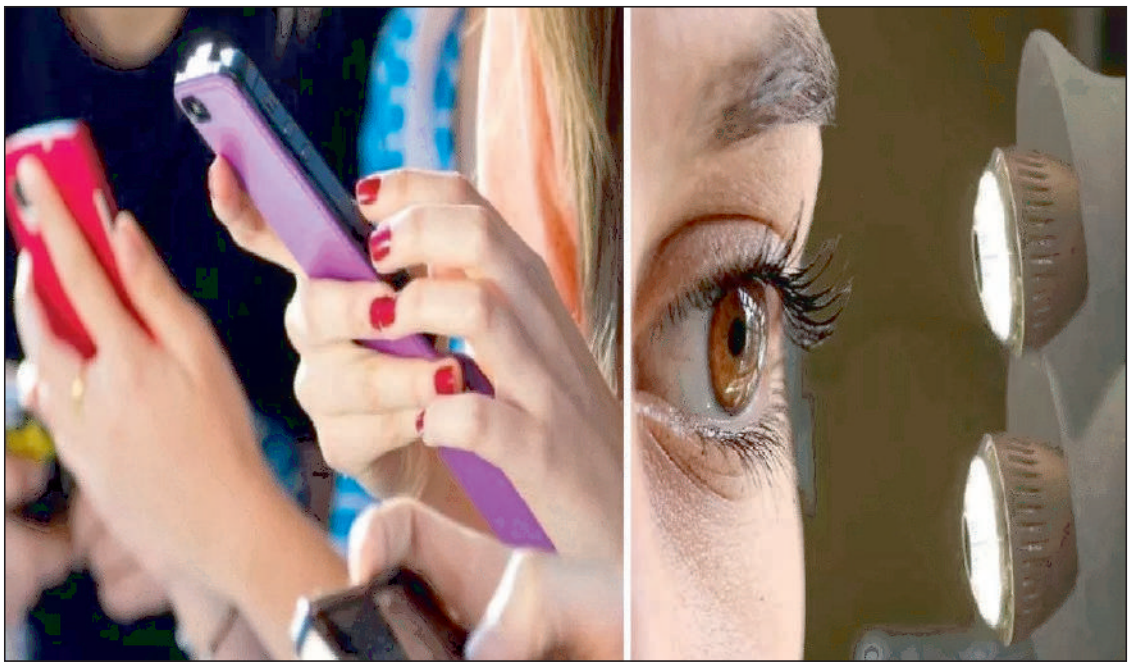

ज्यादा स्क्रीन से शरीर को भी कई खतरे

डॉ. की मानें तो स्क्रीन का इस्तेमाल अंधेरे में बिल्कुल नहीं करना चाहिए. इससे आंखों पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है. इस वक्त ज्यादा लाइट आंखों के अंदर चली जाती है और आंखों की पुतली प्रभावित होती है. इसके अलावा इससे स्लीप साइकल पर बुरा असर पड़ता है. कई बार स्क्रीन यूज करने की वजह से आपकी बॉडी का खराब पोश्चर बिगड़ जाता है और बैक पेन व गले में दर्द होने लगता है. आंखों को स्क्रीन से बचाने के लिए आप अपने फोन में ब्लू लाइट फिल्टर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं और फोन चलाते वक्त कमरे की लाइट ऑन कर सकते हैं.

क्या आप जानते हैं गाजा पट्टी की हैरतअंगेज़ कहानी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , इजराइल पर हमास के हमले के बाद इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में तबाही मचा रखी है। हर तरफ बम, रॉकेट और गोलियों की आवाज ही सुनाई दे रही है। छोटे से गाजा पट्टी में हर तरफ धुंए का गुबार उठ रहा है। हर तरफ लाखों का अंबार लग गया है। गाजा पट्टी की बात करें तो यह इजरायल से सटा वह पतला इलाका है जहां फिलिस्तीनी रहते हैं। यहीं से फिलिस्तीनी संगठन हमास के आतंकियों ने इजराइल पर रॉकेट दागे हैं। जिसके बाद से ही इजराइल ने गाजा पट्टी को घेर लिया है और उस पर हमले कर रहा है। आइए जानते हैं गाजा पट्टी की हैरतअंगेज़ कहानी

चर्चित गाजा पट्टी आखिर कैसे बना

गाजा पट्टी इजरायल के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक छोटा सा इलाका है। जिसकी लंबाई 45 किलोमीटर और चौड़ाई 6 से 10 किमील तक है। गाजा पट्टी के तीन तरफ इजराइल का नियंत्रण है। इसके दक्षिण में मिस्र है। गाजा पट्टी का इतिहास साल 1948 में इस्राइल के बनने के साथ ही शुरू होता है। जब इजरायल की स्थापना की गई, तब उसके बाद ही अरबों के लिए अर्मिस्टाइस लाइन बनाई गई। जिसमें गाजा पट्टी में सुन्नी मुसलमानों को बसा दिया

गया। तब यह तय किया गया था कि इजरायल के अरब मुस्लिम यहीं रहेंगे और यहूदी इजराइल में। उस वक्त यह इलाका मिस्र के नियंत्रण में था।

गाजा पट्टी और इजराइल का संघर्ष कितना पुराना

इतिहासकारों के मुताबिक, जून 1967 में 6 दिनों तक युद्ध लड़ने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उसने इस क्षेत्र में कई ऐसे प्रतिबंध लगाए, जिससे असंतोष बढ़ गया। गाजा पट्टी का एक-तिहाई हिस्सा इजराइल के कंट्रोल में आ गया तो यहां कृषि से जुड़े काम भी प्रभावित हो गए। इतना ही नहीं तब इजराइल ने गाजा से निर्यात होने वाले सभी सामानों पर भी कोटा तय कर दिया। इस तरह के नियम लगाए गए, जिससे इजरायल का सामान बिना किसी रोकटोक यहां आए। इजरायल के इन कदमों के बाद गाजा में उसका विरोध शुरू हो गया और हिंसा बढ़ गई। यहां के लोगों ने इजराइल के नियम कानून मानने बंद कर दिए। इसके बाद इंतिफादा यानी विरोध आंदोलन शुरू हुए।

इजराइल गाजा पट्टी से कब हटा

1967 से पहला इंतिफादा शुरू हुआ और 1993 में तब तक चला जब तक कि गाजा पट्टी को स्वशासन के लिए इजरायल ने मैड्रिड

समझौता नहीं किया। हालांकि, कुछ जानकारों का मानना है कि यह प्रदर्शन 1993 के ओस्लो समझौते तक चला था। मई 1994 में जब फिलिस्तीनी-इजरायल के बीच समझौता हुआ, जिसे ओस्लो समझौता कहा जाता है, तब इजराइल ने गाजा पट्टी को फिलिस्तीनी नियंत्रण में देना मंजूर किया लेकिन वहां नया फिलिस्तानी प्राधिकरण बनाने के बाद। फरवरी 2005 में इजरायल ने गाजा पट्टी से अपने बसाए लोगों को हटाना शुरू किया। 12 सितंबर 2005 को इजरायली कैबिनेट ने औपचारिक तौर पर गाजा पट्टी पर इजरायली सैन्य कब्जे को समाप्त करने का ऐलान किया।

गाजा पट्टी में हमास कैसे मजबूत हुआ

कहा जाता है कि साल 2007 में गाजा पट्टी में जो चुनाव हुए, उसमें हमास की जीत हुई। इसके बाद धीरे धीरे इसका पकड़ मजबूत होती गई। गाजा के सरकारी कार्यालयों से लेकर सैन्य विंग तक हमास का पूरा नियंत्रण है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र, इजरायल, अमेरिका और दुनिया के कई देश हमास को आतंकी संगठन मानते हैं। हमास इस इलाके की पूर्ण आजादी की बात करता रहता है। 2007 से लेकर अब तक इजराइल ने हमास के खिलाफ अब तक चार बड़े हमले किए हैं। कहा जाता है कि हमास ने गाजा पट्टी को बिखेरने का काम किया है।

चलना और दौड़ना दोनों एक्सरसाइज में से कौन फायदेमंद ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , रेगुलर एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है. वेट मैनेजमेंट से लेकर हेल्दी ब्रेन तक, हर दिन एक्सरसाइज करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं. चलना और दौड़ना दो सामान्य एरोबिक एक्टिविटी हैं जिनके लिए किसी इक्विपमेंट्स की जरूरत नहीं होती है. कुछ लोग लंबी सैर पसंद करते हैं जबकि अन्य जोरदार दौड़ना पसंद करते हैं, लेकिन क्या दौड़ना चलने से बेहतर है या यह इसके विपरीत है? खैर, यह एक लोकप्रिय प्रश्न है. हालांकि, उत्तर आपके फिटनेस टारगेट पर निर्भर करता है. अगर आप भी उलझन में हैं तो आइए जानें दोनों के फायदे.

चलना या दौड़ना क्या ज्यादा फायदेमंद है ?

तेजी से चलना ------

यह एक प्रभावी व्यायाम है जो आपकी हार्ट रेट को बढ़ा सकता है.ये आपके मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है.यह शुरुआती लोगों के लिए बेहतरीन है.यह एक लो इंटेंसिटी वाला वर्कआउट है.

दौड़ना------

बर्न मेट्रिक काफी अच्छा है.यह आपके पैर की मसल्स को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है.जोर-जोर से दौड़ने पर आपको चोट लगने की संभावना ज्यादा होती है.यह एक हाई इंटेंसिटी वाला वर्कआउट है.

चलना और दौड़ना दोनों ही बेहतरीन हार्ट एक्सरसाइज हैं..... ₹कोई एक दूसरे से ₹बेहतर₹ नहीं है. आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प पूरी तरह से आपके फिटनेस और हेल्थ टारगेट पर डिपेंड करता है.₹दौड़ना और चलना दोनों ही आपकी ऑल ओवर हेल्थ के लिए चमत्कार कर सकते हैं. अपने हेल्थ टारगेट की एक लिस्ट बनाएं और बुद्धिमानी से चुनें.

दौड़ना को कब प्रायोरिटी में रखें ?

अगर आप तेजी से वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। दौड़ने से आपको कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है. ज्यादा कैलोरी बर्न करने का अमल है बेहतर वजन घटाना. इसलिए अगर वजन घटाना आपकी प्राथमिकता है, तो दौड़ना चुनें.अगर आप अपनी हेल्थ को बढ़ावा देना चाहते हैं और वजन कम करना एकमात्र टारगेट नहीं है: पैदल चलना कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है. ये आपके मानसिक स्वास्थ्य, हार्ट हेल्थ और इम्यून फंक्शन में सुधार कर सकता है. पैदल चलने से भी आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है लेकिन तुरंत नहीं.....

बद्री केदार को मुकेश अंबानी ने दान किया 5 करोड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख और उद्योगपति मुकेश अंबानी ने श्री बद्रीनाथ और श्री केदारनाथ धाम की यात्रा की. इस दौरान उनके बेटे अनंत अंबानी, उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट और अन्य रिश्तेदार भी मौजूद रहे. अंबानी परिवार ने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की. इसके बाद अंबानी परिवार ने बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को पांच करोड़ रुपये का चेक भी दान के रूप में दिया.

मुकेश अंबानी का बदरीनाथ और केदारनाथ पहुंचने पर बीकेटीसी ने उनका स्वागत किया. अंबानी पहले बद्रीनाथ और उसके बाद केदारनाथ धाम पहुंचे. बद्रीनाथ में बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अंबानी का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया. अंबानी ने बीकेटीसी को पांच करोड़ रुपये की धनराशि दान दी. उन्होंने चेक के जरिए यह धनराशि बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय को सौंपी. इस अवसर पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी मौजूद थे.

मंदिर प्रशासन ने दी यह जानकारी

बीकेटीसी के अध्यक्ष अजय अजेंद्र ने बताया, "बदरीनाथ दर्शन के बाद उद्योगपति मुकेश अंबानी केदारनाथ धाम पहुंचे. वहां भी मंदिर में उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की. केदारनाथ में केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव और बीकेटीसीके मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने उनकी अगवानी की." इस दौरान हर-हर महादेव का जयघोष लगाते लोग नजर आए. वहीं, अंबानी परिवार मंदिर के गर्भगृह से हाथ जोड़ते हुए बाहर निकला. मार्ग के दोनों तरफ लोग उन्हें देखने के लिए उमड़े. इस दौरान हाथ जोड़कर मुकेश अंबानी ने उनका अभिवादन किया.

चारधाम में टूटा पुराने वर्षों का रिकॉर्ड

बता दें कि चारधाम की यात्रा शुरू होने के बाद से फिल्म, क्रिकेट, राजनीति और उद्योग जगत की हस्तियों का भी केदारनाथ दर्शन जारी है. कुछ दिन पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी बाबा केदार के दर्शन किए थे. सीएम योगी ने वहां पूजा अर्चना भी की थी. उनसे पहले क्रिकेटर ऋषभ पंत भी अपने पिता के साथ बाबा केदार के दरबार में पहुंचे थे. चार धाम की यात्रा में इस बार पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं. अब तक 44 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं.

गंगोत्री धाम में पिंडदान ,तर्पण पूजा का है ख़ास महत्व

उत्तरकाशी के विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम में पितृपक्ष श्रद्धा में गंगा भागीरथी नदी के किनारे भगीरथ सिला में जो भी व्यक्ति अपने पितरों के नाम से पिंडदान या तर्पण आदि पूजा करता है मान्यता है कि उसके पितरों का माँ गंगा उधार करती है .और पितृ मोक्ष को प्राप्त होते हैं आजकल पितृपक्ष श्राद्ध चल रहा है वही गंगोत्री धाम में बड़ी संख्या में विभिन्न राज्यों से तीर्थ यात्री और स्थानीय लोग गंगोत्री धाम में पहुंचकर गंगा भागीरथी नदी के किनारे भागीरथ शिला के पास अपने पितरों के मोक्ष के लिए पिंडदान ,तर्पण पूजा-अर्चना कर पुण्य अर्पित कर रहे है.

गंगोत्री धाम पिंडदान का विशेष महत्त्व

विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम में किया गया अपने पितरों के लिए कोई भी कार्य उन्हें मोक्ष दिलाता है, और पितृ जिस भी योनि में होते हैं, वहां तृप्त होते हैं. हिंदू धर्म के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान 15 दिनों तक पितृ धरती लोक में रहते हैं और अमावस्या के दिन वह वापस पितृलोक चले जाते हैं. पितृपक्ष के दौरान यदि विधि विधान से पिंडदान की क्रिया की जाती है तो इससे पितृ तृप्त होकर अपने लोक में वापस जाते हैं और अपने पीछे परिवार की सुख और समृद्धि छोड़ जाते हैं.

एसीएस राधा रतूड़ी ने जनहित के 10-10 प्रस्तावों कार्यों की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 अक्टूबर , विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकगणों से प्राप्त व्यापक महत्व / जनहित के 10-10 प्रस्तावो /कार्यों की समीक्षा राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन द्वारा सचिवालय में की गयी। बैठक में सचिव, मुख्यमंत्री डा0 सुरेन्द्र नारायण पाण्डे द्वारा अवगत कराया गया कि विधायकगणों से प्राप्त कार्यों में लगभग 120 कार्यों के सम्बन्ध में घोषणाएं की जा चुकी हैं। शेष कार्यों को मुख्यमंत्री घोषणा में सम्मिलित किए जाने हेतु शासन स्तर पर परीक्षण किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ने विधायकगणों से प्राप्त प्रस्तावों पर समयबद्ध रूप से प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए । बैठक में विशेष

कार्याधिकारी आर0सी0शर्मा, उप सविच हीरा सिंह बसेड़ा, अनुसचिव चिरंजी लाल आदि उपस्थित थे।

इतिहास देश की सभ्यता और संस्कृति को प्रदर्शित करता है: आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वा। पतंजलि अनुसंधान संस्थान के सभागार में कालगणना के आधार पर इतिहास का पुनर्विवेचन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि इतिहास पुनर्लेखन समिति उत्तर प्रदेश सरकार के सदस्य डॉ. चन्द्रशेखर शास्त्री रहे। कार्यक्रम में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि किसी भी देश का इतिहास उसकी सभ्यता, संस्कृति,उत्कृष्टता व भव्यता को प्रदर्शित करने का माध्यम है। प्राचीन अथवा विगत काल की घटनाओं को इतिहास में संजोकर भविष्य में उसकी मिसाल दी जाती है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा अंग्रेज हुकमरानों तथा मुगल शासकों का निरर्थक गुणगान किया गया है। जबकि देश के क्रांतिकारियों, बलिदानियों तथा वीर-वीरांगनाओं के त्याग, बलिदान व समर्पण को इतिहास में कहीं स्थान ही नहीं दिया गया। डॉ. चन्द्रशेखर शास्त्री ने मानव सभ्यता की प्राचीनता भाषा और ताम्रपत्र के प्रमाण विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि पिछली कुछ शताब्दियों में लम्बे कालखण्ड के इतिहास तोड़-मरोडक़र प्रस्तुत किया गया है।

पानी की टंकी के लिये भूमि चिन्हित को लेकर प्रधान व ग्रामीणों में नोकझोंक

हरिद्वार(आरएनएस) ।गांव चांदपुर में पानी की टंकी बनाने के लिये जगह चिन्हित करने को लेकर प्रधान व कुछ ग्रामीण आमने-सामने आ गए गए। घंटो की बहस और नोकझोंक के बाद कोई नतीजा नहीं निकला। प्रधान ने उपजिलाधिकारी से भूमि की पैमाइश कर जगह चिन्हित करने की मांग की है। गांव चांदपुर में पेयजल योजना की शुरुआत होनी है। इसके लिए विभाग से बजट जारी हो चुका है। ग्राम प्रधान बबलू सैनी ने गांव के नजदीक एक जमीन को चिन्हित किया। कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। उनका दावा है कि जिस भूमि पर टंकी बनाने का प्रस्ताव है, वह भूमि निजी है। आरोप लगाया कि प्रधान जबरन उसे ग्राम समाज की बता रहे हैं। जमीन को लेकर ग्रामीण व ग्राम प्रधान के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात कहते रहे। उसके बाद भी कोई नतीजा नहीं निकाल पाया। ग्रामीण जब्बार, तस्लीम, रियासत, रय्यान, इरफान, मतलूब का कहना है कि यह उनकी निजी संपत्ति है। पूर्व प्रधान ने पेयजल योजना का प्रस्ताव भेजा गया था। उसके लिए जमीन भी चिन्हित है। आरोप लगाया कि वर्तमान प्रधान जबरन दूसरी जगह जमीन चिन्हित कर रहे हैं। प्रधान ने उपजिलाधिकारी को शिकायत कर पेयजल योजना के लिए जमीन की पैमाइश करने व जगह चिन्हित करने की मांग की। प्रधान बबलू सैनी का कहना है कि जिस भूमि को वह चिन्हित कर रहे हैं, वह ग्राम समाज की है। कुछ लोग इसे अपना बताकर विरोध कर रहे है। वहीं, ग्रामीणों ने भी मामले में प्रशासन से शिकायत की है। इस दौरान मतलूब, जियाउल, इस्राइल, गफ्फार, उस्मान, जब्बार, तस्लीम, रय्यान, रियासत, इरफान आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना भारतवासियों का दायित्व

रुडक़ी। देश के शहीदों के सम्मान में मेरी माटी-मेरा देश अभियान के अन्तर्गत विकासखंड खानपुर में अमृत कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा बैंड बाजे और ढोल नगाड़ों के साथ नेशनल कन्या इंटर कॉलेज खानपुर के मुख्य द्वार से प्रारम्भ होकर बाजार से होते हुए खंड विकास कार्यालय पर सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि मनीष कुमार ने कहा कि हमारी आजादी के लिए अनेकों स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपने प्राण निछावर किए थे। उनका सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा मंडलाध्यक्ष मनोज पंवार ने कहा कि 200 साल की गुलामी के बाद भारत को अंग्रेज सरकार से आजादी मिली।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

रुडक़ी। दंपति के बीच हुए मनमुटाव के बाद पति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। उसकी आखिरी लोकेशन बहादराबाद के आसपास मिली थी। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। सिविल लाइन्स कोतवाली क्षेत्र का बेलड़ा निवासी मोनू का अपनी पत्नी से मनमुटाव चल रहा है। करीब 20 दिन पूर्व वह अपनी पत्नी को लेकर घर से निकला था। लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने बताया कि पत्नी बहादराबाद तक उसको छोडने के लिए आई थी।

कमान अधिकारी ने एनसीसी गतिविधियों का किया निरीक्षण

रुडक़ी।एनसीसी वाहिनी रुडक़ी की 84 के कमान अधिकारी कर्नल आर रमेश ने कस्बा स्थित आरएनआई इंटर कॉलेज की एनसीसी गतिविधियों का निरीक्षण किया। कर्नल आर रमेश ने कैडेट्स के साथ वार्ता करते हुए सशस्त्र के बारे में जानकारी दी। उनकी सशस्त्र सेनाओं के प्रति विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कैडेट्स को एक लक्ष्य निर्धारित करने का संकल्प लेने को कहा।

रविदास मंदिर संपत्ति विवाद में आया नया मोड़

रुडक़ी। लंढौरा के संत रविदास मंदिर की संपत्ति को लेकर समाज के दो पक्षों के विवाद में नया मोड़ आया है। एक पक्ष की दो महिलाओं ने रास्ते में रोककर मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले इसी मामले में दो मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। लंढौरा की रविदास बस्ती निवासी एक ही समुदाय के कुछ लोगों में संत शिरोमणि रविदास मंदिर की संपत्ति को लेकर विवाद चल आ रहा है। इस मामले में दोनों ओर से एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए जा चुके हैं। अब इस मामले में एक नया मोड़ आया है। इसमें दो महिलाओं ने रास्ते में रोक कर उनके साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी दिए जाने के आरोप लगाए हैं।

अवैध खनन में डंफर और ट्रैक्टर सीज

रुडक़ी। कोतवाली पुलिस ने अवैध खनन के वाहनो को पकडने के लिए पूरी रात चेकिंग की। एसएसआई मनोज गैरोला ने बताया कि बजरी और रेत लदे चार डंफर और दो ट्रैक्टर पकड़े गए हैं। उनके पास इसका बिल और रवन्ना नहीं था। इसलिए सभी छह वाहन सीज कर दिए गए हैं। इनकी अवैध खनन की रिपोर्ट तहसील में भेज दी गई है।

इस शनिवार सूर्य बन जाएगा आग की अंगूठी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , आगामी शनिवार यानि 14 अक्टूबर को पृथ्वी से अंतरिक्ष में एक खास नजारा देखने को मिलेगा. इसमें सूर्य के अंदर एक काली आकृति बन जाएगी जिससे उसके आसपास एक आग का छल्ला दिखाई देगा जिसे रिंग ऑफ फायर कहते हैं और यह काला धब्बा वास्तव में चंद्रमा होता है जो सूर्य ग्रहण के कारण ऐसी दृश्य बनाने में मदद करता है. इस दिन साल का अंतिम सूर्य ग्रहण कुछ ऐसा ही कुछ दृश्य पैदा करेगा जो कभी कभी दिखाई देता है. यानि हर सूर्य ग्रहण में ऐसा दिखाई नहीं देता है. यह चंद्रमा की पृथ्वी की तुलना में विशेष स्थिति के कारण बनता है.

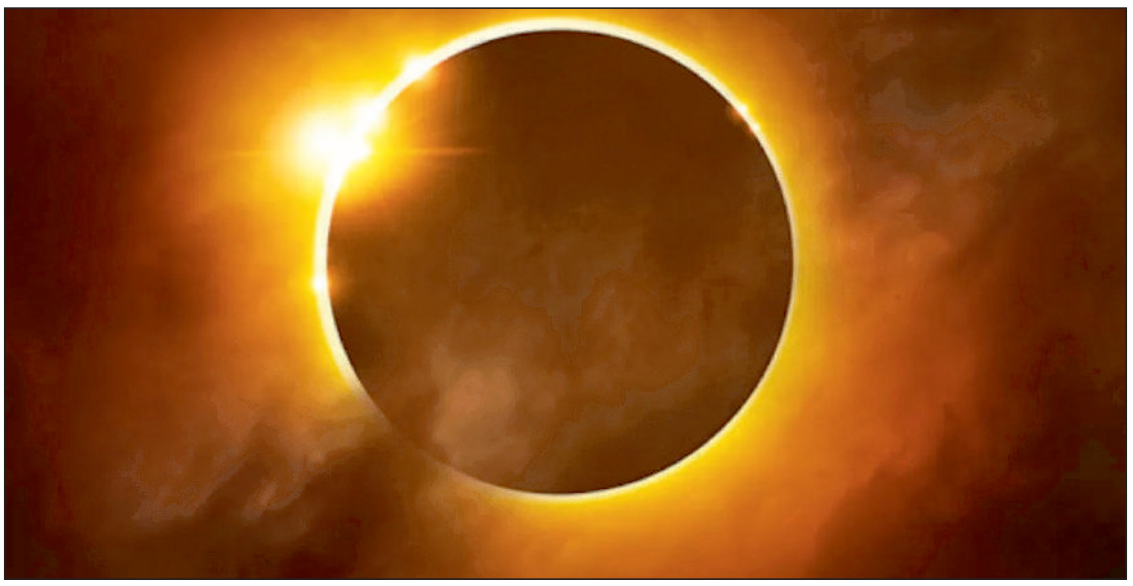

चंद्रमा जब भी पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है तो पृथ्वी पर उसकी छाया पड़ती है. इससे पृथ्वी पर अनोखा नजारा दिखाई देता है. 14 को दुनिया के कुछ हिस्सों में दिखने वाला सूर्य ग्रहण सामान्य नहीं है. यह खास सूर्य ग्रहण एन्युलर सोलर एक्लिप्स यानि कंकणाकृति सूर्यग्रहण होगा. जिससे रिंग ऑफ फायर का नजारा बनेगा. मूमन सूर्य ग्रहण में कभी तो पूरा सूरज चंद्रमा के पीछे छिप जाता है तो कभी लोगों को केवल एक चमकती सी अंगूठी दिखाई देती है. है जब चंद्रमा सूर्य की तीव्र चमक को पूरी तरह से ढक लेता है, तब पूर्ण सूर्यग्रहण की स्थिति बनती हैं और सूर्य की बाहरी वायुमडंल कोरोना बहुत ही धुंधला दिखाई देता है.

लेकिन यह नजारा भी तभी बन सकता है जब चंद्रमा पृथ्वी का चक्कर लगाते समय खास तरह के पतले रास्ते से हो कर गुजरे जिसे पाथ ऑफ टोटलिटी कहते हैं. जब सूर्य और चंद्रमा पृथ्वी की तुलना में एक ही रेखा में आते हैं लेकिन चंद्रमा का दिखाई देने वाला आकार सूर्य से छोटा होता है, तब एन्युलर यानि कंकणाकृति सूर्य ग्रहण की स्थिति बनती है.क

ंकणाकृति सूर्य ग्रहण में सूर्य एक छल्ले के जैसा दिखाई देता है ,जो चंद्रमा की काली डिस्क के चारों ओर होती है. इसी को एन्युलस कहते हैं. सामान्य पूर्ण सूर्य ग्रहण में चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह से रोक देता है जबकि कंकणाकृति सूर्य ग्रहण में चंद्रमा पृथ्वी की कक्षा में उससे सबसे दूर हो जाता है और इसी कारण से चंद्रमा आसमान में सूर्य की तुलना में कुछ छोटा दिखाई देता है और सूर्य को पूरी तरह से ढका नहीं दिखता है. यही स्थिति उसके आसपास एक आग का छल्ला दिखाने लगती है.

क्या आपको भी है रात में जागने की आदत तो जान लें इससे होने वाले ये गंभीर नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अक्टूबर : अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि मैं तो नाइट आउल हूं, यानी वे लोग जो रात में जागकर काम या मूवी आदि देखना पसंद करते हैं। आजकल अधिकतर लोग खासकर यंगस्टर रात में जागते हैं। कई बार ऑफिस के काम की वजह से भी लोग रात में जागकर उसे पूरा करने की कोशिश रहते हैं। ऐसे में लोग पर्याप्त नींद भी नहीं ले पाते हैं, जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ता है।

सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं। स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है। अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं।

पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। यह शोध 40 से 69 उम्र के लोगों के बीच में किया गया था जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं। जो लोग रात में पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन लोगों की इम्युनिटी लो रहती है, जिससे वे जल्द बीमार पड़ते हैं। इसलिए रात में पर्याप्त नींद लें ताकि शरीर स्वस्थ रहे।

भारत का ये शहर बना था एक दिन के लिए देश की राजधानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अक्टूबर : भारत की राजधानी दिल्ली है, पर क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसा भी शहर है, जो सिर्फ एक दिन के लिए देश की राजधानी बन गया था. भारत जैसे महान देश की राजधानी बनना किसी भी शहर के लिए बात होगी. उस शहर की रूपरेखा, रंग-ढंग सब कुछ बदल जाएगा. दिल्ली को ही ले लीजिए, इस शहर को कितनी खूबसूरती और समझदारी से डेवलप किया गया है. पर उस शहर का क्या हुआ जो एक दिन के लिए देश की राजधानी बना था, क्या आप इस शहर का नाम जानते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग अपनी जिज्ञासाओं को दूर करने के लिए सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उसके जवाब देते हैं. हाल ही में किसी ने सोशल मीडिया पर पूछा- "कौन सा शहर है जो 1 दिन के लिए भारत की राजधानी बना था?" शायद बहुत लोगों को ये सवाल अटपटा लग रहा होगा. बहुत लोगों को पता होगा, मगर शहर के बारे में नहीं जानकारी होगी. आज हम आपको इस शहर के बारे में बताने जा रहे हैं. शायद ही आपको इसके बारे में जानकारी होगी.

सबसे पहले जानिए कि लोगों ने इसका क्या उत्तर दिया. केशिरेश मिश्रा नाम के शख्स ने कहा- "1858 में, इलाहाबाद (प्रयागराज) को एक दिन की अवधि के लिए भारत की राजधानी बनाया गया था क्योंकि ईस्ट इंडिया कंपनी ने शहर में ब्रिटिश राजशाही को राष्ट्र का प्रशासन सौंप दिया था. उस समय इलाहाबाद उत्तर-पश्चिमी प्रांतों की राजधानी भी था. रविकांत आर्य नाम के शख्स ने कहा- "इलाहाबाद 1858 में एक दिन के लिए भारत की राजधानी बना था." इस तरह बहुत लोगों ने अन्य तरह के जवाब दिए हैं.चलिए अब आपको विश्वसनीय सूत्रों से बताते हैं कि इस सवाल का सही जवाब क्या है. मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार 1 नवंबर 1858 को प्रयागराज, यानी इलाहाबाद को भारत की राजधानी बनने का दर्जा प्राप्त हुआ था. पर ये दर्जा शहर को सिर्फ एक दिन के लिए मिला था. इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हेरांब चतुर्वेदी ने 2022 की रिपोर्ट में बताया था कि यहां पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने, देश का कार्यभार ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया था. उस दौरान दिल्ली, मेरठ और आगरा, 1857 में भड़की विद्रोह की पहली चिंगारी से जल रहा था.

तब इलाहाबाद पूरी तरह से ब्रिटिश शासन के अंतर्गत था. यही कारण है कि रानी विक्टोरिया के मेनिफेस्टो को पढ़ने के लिए लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद के मिंटो पार्क को चुना, जहां शक्तियों का ट्रांसफर हुआ और उसी वक्त ये शहर देश की राजधानी बना था. इलाहाबाद अपने में बेहद अनोखा शहर है और इतिहास से जुड़ी कई प्रमुख घटनाएं यहां घट चुकी हैं. इलाहाबाद में ही कुंभ लगता है जिसकी हिन्दी धर्म में बहुत मान्यता है. ये शहर अपने में ही बेहद अनोखा है.

उत्तराखंड : इन पर्यटन स्थलों की खूबसूरती देखते ही बनती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 13 अक्टूबर : उत्तराखंड पर्यटन प्रदेश के रूप में पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां ऐसे कई पर्यटन स्थल है, जहां साल भर सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। मसूरी, नैनीताल, चकराता, मुस्यारी, कौसानी समेत तमाम शहर हर वक्त पर्यटकों से गुलजार रहते हैं, लेकिन इसी उत्तराखंड में कुछ ऐसी खूबसूरत जगहें भी हैं, जो पर्यटकों की नजरों से दूर हैं। इन पर्यटन स्थलों की खूबसूरती देखते ही बनती है। आज हम आपको ऐसे ही टूरिस्ट स्पॉट्स के बारे में बताएंगे, जहां आप भीड़भाड़ से दूर शांति हासिल कर सकते हैं।

भारत-चीन सीमा के निकट नेलांग घाटी में स्थित गरतांग गली करीब 150 साल पुरानी है। कहते हैं इस 150 मीटर लंबे पैदल ट्रैक का निर्माण पेशावर के पठानों ने किया था। समुद्र तल से 11 हजार फीट की ऊंचाई पर खड़ी चट्टान को काटकर तैयार इस रास्ते को जीर्णोद्धार के बाद एक बार फिर पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। गरतांग गली भारत-तिब्बत के बीच व्यापारिक संबंधों की गवाह रही है।

एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन यहां बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं, साथ ही रात फ्लोटिंग हट्स में गुजारी जा सकती है। यहां पानी पर बनाई गई हट में पहाड़ों के बीच रात गुजराना अनोखा अनुभव है। ये हट्स पूरी तरह इको फ्रेंडली और आरामदायक हैं। हट्स में ठहरने वाले पर्यटकों को उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ देशी-विदेशी व्यंजन भी परोसे जाते हैं।

लेनदेन को लेकर हुई थी शिव कुमार की हत्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ ब्लाइंड मर्डर केस का दून पुलिस ने किया खुलासा, एक गिरफ्तार

देहरादून 12 अक्तूबर। थाना पटेलनगर क्षेत्र में 30 सितंबर को चौकी बाजार क्षेत्र में हुई एक युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया। एसएसपी अजय सिंह ने प्रेसवार्ता करते हुए घटना की जानकारी दी। अज्ञात युवक की शिनाख्त शिव कुमार के रूप में हुई, जिसकी हत्या लेनदेन को लेकर की गई थी। मामले में एक युवक गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य आरोपी युवक अन्य मामलों में पहले से ही जेल में हैं।

एसएसपी ने बताया कि चौकी प्रभारी बाजार को सूचना मिली थी कि लाल पुल के नीचे चमनपुरी में बिंदाल नदी में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। घटनास्थल चमनपुरी लाल पुल के नीचे पहुंची पुलिस पहुंची, लेकिन युवक की शिनाख्त नहीं हुई। दो दिन बाद मृतक के बडे भाई काशी राम ने शव की शिनाख्त शिव कुमार उर्फ बबलू निवासी अमेठी उत्तर प्रदेश बताया। जबकि वर्तमान में शिव कुमार पटेलनगर देहरादून में रह रहा था। विवेचना के दौरान मृतक की सीडीआर का अवलोकन कर अलग-अलग लोगो से पूछताछ की गई। छानबीन के बाद पुलिस ने आशीष उर्फ पप्पू निवासी नगर निगम कॉम्पलेस कोतवाली नगर देहरादून उम्र 45 को 12 अक्तूबर को भंडारीबाग एसजीआरआर हॉस्टल के सामने से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक शिव कुमार 25 सितंबर को ऋषभ गुप्ता के घर पर आया था। जहाँ पर ऋषभ गुप्ता, शुभम उर्फ खस्ता व अभियुक्त आशीष उर्फ पप्पू पहले से ही मौजूद थे। साढे तीन-चार हजार रुपये आपस मे झगडा हो गया और झगडे में तीनों युवकों ने शिव कुमार के सर पर डंडे से वार किया, जिससे मृतक वहीं गिर गया। तीनों युवक मकान पर ताला लगाकर चले गये। पकड़े जाने के कारण तीन दिन तक मृतक के शव को कमरे में ही रखे रखा। आशीष को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य युवक अन्य मामलों में जेल में बंद हैं।

बदबू आने पर शव को फेंका

शव से बदबू आने के बाद ऋषभ गुप्ता ने कोतवाली क्षेत्र से एक स्कूटी चोरी की और उसी चोरी की स्कूटी से दिनांक 27 सितंबर की रात को तीनों ने मृतक शिव कुमार के शव को कम्बल में लपेटकर लालपुल पर लगी जाली के टूटे हिस्से से नीचे नाले मे फेंक दिया। ऋषभ गुप्ता स्कूटी चोरी के मामले में 30 सितंबर को कोतवाली नगर से जेल चला गया। जबकि दूसरा अभियुक्त शुभम उर्फ खस्ता 1 अक्तूबर को थाना बसन्त विहार पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट मे गिरफ्तार कर लिया था।

फर्जी रजिस्ट्री घोटाले में एक और आरोपी को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ एसएसपी अजय सिंह ने प्रेसवार्ता करते हुए दी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अक्तूबर।फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में एसआईटी द्वारा की जा रही जांच में अब तक 16 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में अन्य व्यक्तियों के नाम प्रकरण में प्रकाश में आने के बाद एक अन्य को गिरफ्तार किया गया है। बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता करते हुए एसएसपी अजय सिंह ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया मामले में एसआईटी द्वारा लगातार गहन विवेचना कर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा रही है। सहायक महानिरीक्षक निबन्धन संदीप श्रीवास्तव द्वारा टर्नर रोड से सुभाष नगर चौक के मध्य क्लेमनटाउन में लगभग 2500 गज भूमि तथा लगभग 55 बीघा जमीन ग्राम माजरा के फर्जी विलेख पत्र के सम्बन्ध में कोतवाली नगर देहरादून में धारा-420,467, 468, 471, 120बी मुकदमें पंजीकृत कराए गए हैं। प्रकरण में बिजनौर निवासी हुमायूँ परवेज का नाम प्रकाश में आने पर एसआईटी द्वारा उक्त अभियुक्त के विरूद्ध साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते उसे गिरफ्तार किया गया। प्रकाश में आया है कि मौहम्मद हुमायू परवेज निवासी मौहल्ला काजी सराय, नगीना जिला बिजनौर उप्र द्वारा अपने साथी समीर व अन्य साथियो की मदद से फर्जी अभिलेख तैयार कर देव कुमार निवासी सहारनपुर की मदद से रिकार्ड रुम रजिस्ट्रार कार्यालय में वर्ष 2016-17 में जिल्द में लगवा दिया था। जिसमें टर्नर रोड से सुभाष नगर चौक के मध्य क्लेमनटाउन स्थित जमीन का अल्लादिया से 1944 में जलीलू रहमान व अब्दुल करीम को फर्जी बैनामा बनाकर मालिक दर्शाया गया तथा 2019 से 2020 के बीच हुमायू परवेज द्वारा वसीयत के आधार पर 11 व्यक्तियों को उक्त जमीन की रजिसट्रिया कर दी गयी। जिसमें उसने लगभग 3 करोड रुपए जेएण्डके बैंक सहारनपुर के खाते में प्राप्त किये गये। ग्राम माजरा की जमीन के असली मालिक लाला सरनीमल व मनीराम से फर्जी बैनामा 1958 का बनाकर जलीलू रहमान व अर्जुन प्रसाद को मालिक दर्शाया गया। सीमांकन हेतु प्रार्थना पत्र एसडीएम कार्यालय व उच्च न्यायालय उत्तरखण्ड को प्रेषित कर आदेश करवाये गये। लेकिन ग्राम माजरा स्थित लगभग 55 बीघा जमीन वर्ष 1958 में तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा रक्षा मंत्रालय के नाम कर दी गयी थी। जो आज भी रक्षा मंत्रालय के कब्जे में है, जिस कारण सीमांकन की कार्यवाही को खारिज किया गया था।

हमारा सवाल प्रधानमंत्री मोदी से, महिला कांग्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 13 अक्टूबर : महिला स्वाभिमान न्याय यात्रा के तहत पिथौरागढ़ पहुंचने पर सुबह 7:00 बजे जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस भावना नगरकोटी के घर पुलिस ने दरवाजे को पीट पीट कर सभी को उठाया, दरवाजा खोलने पर पाया की सभी सदस्यों को गिरफ्तार करने का आदेश ले कर पुलिस फॉर्स खड़ी थी, ऐसा लग रहा था जैसे कोई आतंकवादी घुस आया हो और अपने ही प्रदेश मैं ऐसे ब्यौवहार देख हैरान रह गए। काफी विरोध के बाद पुलिस हमें गिरफ्तार नहीं कर पाई। इस तरह से सत्ता पक्ष के लोगो के द्वारा विपक्ष को डराया धमकाया जा रहा है और सत्ता के दम पे आम लोगे के आवाज को दबाया जा रहा है।

हमारा सवाल प्रधानमंत्री मोदी जी से यही है:-

क्या मोदी जी सिर्फ भाजपा के प्रधानमंत्री है, हमारे प्रधानमंत्री नहीं है। क्या हम प्रधानमंत्री मोदी जी से महिलाओं के लिए कोई प्रश्न नहीं कर सकते है ?क्या हम प्रधानमंत्री मोदी जी से महिलाओं के साथ शोषण और बलात्कार ,बेरोजगारी के मुद्दों पर सवाल नहीं पूछ सकते है ?

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ व्हाट्सएप नंबर जारी किया

मेरठ। लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी ने उत्तराखंड में तैयारियां शुरू कर दी हैं।उत्तराखंड कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग ने लोगों से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया है। 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग ने कमर कस ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा, सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश प्रभारी शुजा गांधी और प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी की मौजूदगी में यह 8126918910 व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने बताया कि कांग्रेस ने एक और संगठन का गठन किया है। जिसका नाम मंडलम है, जो कि बूथ और ब्लाक कांग्रेस के बीच की एक कड़ी होगी। छह से आठ बूथों पर एक मंडलम की नियुक्ति होगी। पूरे प्रदेश में 1170 मंडलम गठित होंगे। सोशल मीडिया प्रभारी सुजा गांधी ने कहा कि लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने सच की आवाज बने उत्तराखंड कांग्रेस से जुड़े स्लोगन के साथ इस व्हाट्सएप नंबर को लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि आज हमारी लड़ाई पॉलीटिकल पार्टी से बहुत ऊपर उठ गई है। सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि ये लड़ाई सच और झूठ के बीच की हो गई है। ऐसे में सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस के खिलाफ फैलाई जा रही झूठी खबरों के खिलाफ कांग्रेस इस नंबर के माध्यम से लोगों तक सच पहुंचाएगी। इस असवर पर पर विशाल मौर्य, अंशु सक्सेना, मधुसूदन सुंदरियाल, रूपेन्द्र नेगी, अनुराग मित्तल, नन्द किशोर नौटियाल, देवेन्द्रजीत, बलजीत सिंह, आकाश बिरला, नीरज अग्रवाल, नीरज ठाकुर, बृजमोहन बहुगुणा, दिनेश सकलानी, अंशुल सक्सेना, रेखा कांडपाल सती आदि मौजूद रहे।

सड़क पर बने डिवाइडर, काली-पीली धारियों में क्यों रंगे होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अक्टूबर : सड़क पर चलते वक्त आपको कई ऐसी चीजें दिखाई दे जाती होंगी जो अपने में बेहद अनोखी होती हैं. कई बार इन चीजों की बनावट, रंग-रूप ऐसा होता है कि उनको लेकर लोगों के अंदर और अधिक जानने की उत्सुकता पैदा होती है. ऐसी ही एक चीज है डिवाइडर. आने-जाने वाली सड़कों को बांटने के लिए उनके बीच में एक डिवाइडर बनाया जाता है. आपने वो तो जरूर देखा होगा. पर आपको भी ये जानने की उत्सुकता हुई होगी कि आखिर उनके ऊपर काली-पीली धारियां क्यों बनाई जाती हैं. आज हम इसी बात का जवाब आपको देने जा रहे हैं.

सड़क पर, खासकर किसी हाईवे या ऐसी रोड्स पर चलना, जिस पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा हो, खतरनाक हो सकता है. ऐसे में ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है. नियमों के पालन करने के अलावा भी प्रशासन, चालकों की सुविधा के लिए लोग पर ऐसी चीजें बनाती है, जिससे वो आसानी से सड़क पर चल सकें. डिवाइडर पर काली पीली लाइनें बनाने का भी यही कारण होता है. इस डिवाइडर को लोगों की सुविधा के लिए ही बनाया जाता है.रीड सिविल नाम की सिविल इंजीनियर की ऑनलाइन मैगजीन के अनुसार डिवाइडर को काले-पीले रंग में रंगने का कारण है कि वो अंधेरे में और भी ज्यादा आसानी से नज़र आएं. भारतीय सड़कों के डिवाइडर पर ये पीली काली धारियों वाले डिवाइडर आसानी से दिख जाते हैं. कोहरे के वक्त या फिर अंधेरे में, काला, पीला और सफेद रंग ही आसानी से दिखता है. इंटरनेशनल हाईवे कोड्स के अनुसार भी इन्हीं रंगों को मान्यता प्राप्त है. इन रंगों पर लाइट पड़ने से वो ज्यादा रिफ्लेक्ट हो जाती है. पीले और काले का पैटर्न आंखों को तुरंत दिखाई दे जाता है और दूर से आ रही कार में बैठे व्यक्ति की नजर उसपर पड़ जाएगी।

अजब-गजब रीति रिवाज

यहां सिर्फ कुछ घंटों के लिए होती है शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अक्टूबर : दुनिया में अलग-अलग जाति और समुदाय लोग निवास करते हैं। सभी की अपनी अलग-अलग संस्कृति, रीति रिवाज और मान्यताएं होती हैं। हर जगह पर रहन-सहन से लेकर शादी-ब्याह तक के अपने रीति-रिवाज होते हैं। जातियों और समुदायों में पालन किए जाने वाले रीति रिवाजों और मान्यताओं का अलग-अलग महत्व होता है। हालांकि दुनिया में पालन की जाने वाली कई परंपराओं के बारे में जानकर हैरानी होती है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वो पूरा जीवन एक दूसरे का साथ निभाने की कसमें खाते हैं। हालांकि सबसे हैरानी वाली बात यह है कि दुनिया में एक ऐसी जगह है, जहां पर शादी सिर्फ घंटे के लिए होती है।

भारत के पड़ोसी देश चीन के कुछ इलाकों में पुरुष सिर्फ 24 घंटे के लिए ही शादी करते हैं। यह जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा है, लेकिन यह पूरी तरह सच है। आइए जानते हैं अनोखी शादी के बारे में.एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में गरीबी की वजह से जो लोग शादी के दौरान लड़की को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते, उनकी शादी ही नहीं होती है। इसकी वजह से वह एक अनोखी शादी करते हैं। इससे वह सिर्फ शादीशुदा कहलाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हुबेई प्रोविंस में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे यानी एक दिन की शादी का चलन है। यहां कुछ लड़कों की गरीबी की वजह से शादी नहीं हो पाती है, तो मरने से पहले सिर्फ नाम के लिए शादी करते हैं। बीते 6 सालों में यह चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी शादी कराने वाले शख्स ने बताया कि उनके पास कई पेशेवर दुल्हनें हैं, जो 40 हजार रुपये लेती हैं और शादी करती हैं। यह ज्यादातर बाहर की लड़कियां होती हैं और उन्हें पैसे की जरूरत होती है।

हुबेई के ग्रामीण क्षेत्र में माना जाता है कि इंसान को मौत के बाद फैमिली ग्रेवयार्ड में शादीशुदा होने पर ही दफनाया जाएगा। इसलिए गरीब पुरुष शादी करने के बाद अपने पुश्तैनी कब्रगाह पर दुल्हन को लेकर जाते हैं। वहां पर वह पूर्वजों को बताते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है। ऐसा करने का बाद उस शख्स की जगह पक्की हो जाती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि चीन में किराए पर गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड यहां तक कि माता-पिता भी मिलते हैं।

उड़ान के वक्त 'रॉजर' क्यों बोलते हैं पायलट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 अक्टूबर : विमान में काम करने वाले हर कर्मी का काम मुश्किल होता है, पर पायलट का कितना कठिन है, इसके बारे में तो वही समझ सकता है, जो या तो खुद पायलट हो, या फिर उसने पायलटों की लाइफ को करीब से देखा हो. आम लोगों को कॉकपिट में जाने का मौका कम ही मिलता है, इस वजह से वो पायलट को प्लेन उड़ाते नहीं देख सकते, हालांकि, आपने फिल्मों में अक्सर देखा होगा कि पायलट प्लेन को उड़ाते वक्त क्या-क्या करते हैं. फिल्मों में आपने पायलटों से जुड़ी एक और बात गौर की होगी, वो ये कि अक्सर जब वो रेडियो पर अपने सहकर्मियों से बात करते हैं, तो 'रॉजर दैट' बोलते हैं.

क्या आप इसका अर्थ जानते हैं? शायद नहीं जानते होंगे, इस वजह से आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं, और आम लोग ही उसके जवाब देते हैं. कुछ वक्त पहले किसी ने सवाल किया- "पायलट रॉजर क्यों बोलते हैं और एविएशन में इसका क्या अर्थ होता है?" (Why Pilots Say Roger) कई लोगों ने इस सवाल का जवाब दिया है. हम पहले आपको इन जवाबों के बारे में बताएंगे, फिर विश्वसनीय सूत्रों के जरिए भी सही जवाब देंगे.

कैथरीन बर्टन नाम की एक रिटायर्ड पायलट ने लिखा- "रॉजर का अर्थ होता है- आपका संदेश मिल गया है और समझ में आ गया है. वहीं 'विलको' का अर्थ होता है, 'आपका संदेश मिल गया है, समझ आ गया है और मैं वैसा ही करूंगा'. 'अफर्म' का अर्थ होता है 'हां', 'ओवर' का अर्थ होता है- 'मैंने बोलना बंद कर दिया है और अब जवाब का इंतजार कर रहा हूं'. 'ओवर एंड आउट' का अर्थ होता है, 'मैंने बोलना बंद कर दिया है और जवाब का इंतजार नहीं कर रहा हूं'. स्टीव बेजर नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि पुराने वक्त में मोर्स कोड भाषा के जरिए संदेश भेजा जाता था. तब अंग्रेजी में ये कहना मुश्किल था- 'संदेश मिल गया है और समझ आ गया है'. इस वजह से 'रिसीव्ड' (मिल गया है) का शॉर्ट फॉर्म 'आर' इस्तेमाल किया जाता था. बोलने में 'आर' को 'रॉजर' कहा जाता था. बस इसी वजह से जब रेडियो का इस्तेमाल हुआ तो उसी 'आर' को 'रॉजर' कहा जाने लगा.

लगातार बैठे रहने वालों को हो रही है ये भयंकर बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

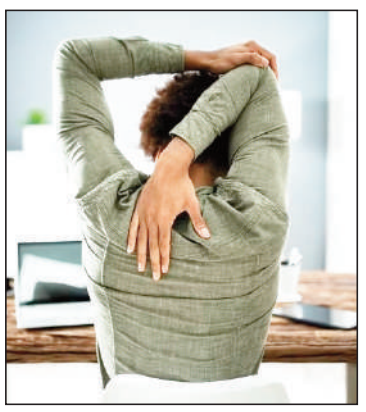

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , लगातार बैठ कर काम करने से एक नहीं कई बीमारियों की संभावना बनी रहती है. जैसे तनाव, मोटापा, पाचन क्रिया से सम्बंधित और मानसिक बीमारियां भी. 10 घंटे या उससे ज्यादा समय तक बैठे रहने वालों को डिमेंशिया नाम की बीमारी का डर रहता है. आजकल युवाओं को नौकरी में अच्छा परफॉर्म करने के लिए घंटों कंप्यूटर के आगे एक ही जगह पर बैठे रहना पड़ता है. अगर लगातार लम्बे समय तक यही दिनचर्या रहती है तो डिमेंशिया की चपेट में आने के चांस बढ़ जाते हैं, डिमेंशिया एक ऐसी बीमारी है जिसमें हम चीजों को भूल जाते हैं. किसी को पहचान पाने में दिक्कत महसूस होती है. दिमाग पर जोर डालने के बावजूद सामने वाले का नाम तक याद नहीं आता. पहले ये बीमारी 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को होती थी लेकिन अब खराब लाइफ स्टाइल के कारण युवा भी इसकी चपेट में हैं.

क्या कहती है रिपोर्ट?

एकेडमी फ्रोम द यूनिवर्सिटी ऑफ साउदर्न कैलीफोर्निया और यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना ने अपने अध्ययन में पाया है कि जो लोग दिन में 10 घंटे से ज्यादा एक ही जगह पर बैठे रहते हैं, उनमें डिमेंशिया का खतरा 8 प्रतिशत तक ज्यादा है. जो लोग 12 घंटे तक गतिहीन रहकर काम करते हैं उनमें डिमेंशिया के साथ साथ याददास्त खोने यानी मेमोरी लॉस की बीमारी होने संभावना 63 प्रतिशत तक है. इसलिए जो लोग लम्बे समय तक कंप्यूटर का इस्तेमाल, वीडियो गेम खेलना, ड्राइविंग, टीवी देखना और बैठकर बिना ज्यादा हिले डुले एक ही काम कर रहे हैं उन्हें समय रहते सतर्क होना पड़ेगा. इस अध्ययन के आंकड़े डरावने हैं.

ऐसे करें बचाव

अगर आपको भी अपने आप में डिमेंशिया के लक्षण नजर आएं तो समय रहते सावधान हो जाएं, एक्सरसाइज करें. दिमागी कसरत पर ध्यान दें और लम्बे समय तक एक जगह पर बैठे न रहें. काम के बीच में थोड़ी देर के लिए ब्रेक लें और चहल कदमी करें. खाने पीने में संतुलित आहार लें. अच्छा संगीत सुनें. डांस करें और किताब पढ़ें. अगर लगातार भूलने की बीमारी बढ़ रही है तो किसी अच्छे काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं. समय रहते सचेत होना ही इसका इलाज है.

अवैध खनन के खिलाफ दून पुलिस सख्त, डंपर और 3 ट्रेक्टर-ट्रॉली सीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अक्तूबर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह के निर्देशन में दून पुलिस की अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। 11 व 12 अक्तूबर को रात्रि में अलग- अलग थाना क्षेत्रों में अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 1 डम्पर तथा 3 ट्रैक्टर ट्रॉलियों को सीज किया गया। जिसमें थाना डोईवाला में अवैध खनन में UK07CB-8708, UK07CC-1420 व UK07CB-3934 ट्रैक्टर ट्राली डबल टायरा को सीज किया। कोतवाली विकासनगर में अवैध खनन में 1 डम्पर UK 16 CA 2523 सीज किया।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत निकाली अमृत कलश यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल। कीर्तिनगर मे गुरुवार को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश यात्रा निकाली गई। इस मौके पर कीर्तिनगर तहसील परिसर में वीर सैनिकों के स्मारक से राष्ट्रीय सम्मान के साथ कलश यात्रा टिहरी के लिए प्रस्थान हुई। कीर्तिनगर नगर पंचायत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत देवप्रयाग विधानसभा के विधायक विनोद कंडारी, नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाशी जाखी और एसडीएम सोनिया पंत ने संयुक्त रूप से 17 वीर शहीदों के स्मारक से अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव भारत की जनता को समर्पित है। कहा कि भारतीय सैन्य इतिहास वीर जवानों की पराक्रम गाथाओं से भरा पड़ा है। सैनिकों की सुरक्षा की बदौलत से हम देश के निवासी चैन की नींद से सो रहे हैं तथा शान्ति का जीवन यापन कर रहे हैं, उन शहीदों को शत-शत नमन करना हमारा दायित्व है और शहीदों के परिजनों के साथ हर सुख-दुख में सदैव खड़ा रहना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर कैप्टन हिम्मत सिंह नेगी, राजेंद सिंह कैंतुरा, राजेंद्र प्रसाद भट्ट, कुंवर सिंह नेगी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विजयराम गोदियाल, रणजीत सिंह जाखी, अधिशासी अधिकारी राजेन्द्र सजवाण, नरेंद्र कुंवर, सभासद विकास दुमागा, जगतम्बा कुमाई, मुकेश लखेड़ा, सुभाष फोंदणी, सुरेश चंद और पंकज आदि मौजूद रहे।

गुठाई और गुरसाली के स्कूलों में आज छुट्टी

श्रीनगर गढ़वाल। गुलदार की दहशत के चलते स्थानीय प्रशासन ने गुठाई और गुरसाली के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों का 13 अक्तूबर को अवकाश घोषित किया है। कीर्तिनगर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम नौर गोरसाली में गत बुधवार को घास काटने जंगल में गई महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया था। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। इससे पहले भी देवप्रयाग के जामणीखाल में एक छात्र पर गुलदार ने हमला कर दिया था। खंड शिक्षा अधिकारी देवप्रयाग/कीर्तिनगर ने बताया कि गोरसाली में गुलदार के आंतक को देखते हुए और बच्चों की सुरक्षा दृष्टिगत से गुठाई और गुरसाली क्षेत्रांतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में उच्च अधिकारियों से वार्ता के बाद 13 अक्तूबर को अवकाश घोषित किया गया है।

संपादकीय

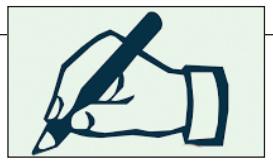

सबसे तेज अर्थव्यवस्था

यह एक बार फिर सत्यापित किया गया है कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज और विकसित होती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने अपने आकलन के आधार पर भविष्यवाणी की है कि 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी 6.3 फीसदी रहेगी। चीन 5 फीसदी बढ़ोतरी के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा। अगले साल हमारी आर्थिक विकास दर इसी स्तर पर रहेगी, जबकि चीन 4.2 फीसदी तक लुढक़ सकता है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरींचास ने एक ब्लॉग में लिखा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था लंगड़ा कर चल रही है। तेजी का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। मुद्राकोष की उम्मीद है कि 2023 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि मात्र 3 फीसदी रहेगी। अब विश्व अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखा जाए, तो वह कोरोना-पूर्व की स्थिति को छू तक नहीं पाई है। भारत की अर्थव्यवस्था ने लचीलापन और पलटाव के स्पष्ट संकेत दिए हैं। भारत और चीन की आर्थिक विकास दर की तुलना प्रासंगिक इसलिए है, क्योंकि दोनों पड़ोसी और प्रतिद्वंद्वी देश हैं, लेकिन दोनों की जीडीपी में 5 गुना का अंतर है। चीन की जीडीपी 17.7 ट्रिलियन डॉलर की है, लिहाजा वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का योगदान अपेक्षाकृत ज्यादा है। भारत की जीडीपी फिलहाल करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर की है। बार्कले की एक हालिया रपट के मुताबिक, भारत की कुछ सालों तक विकास दर 8 फीसदी होनी चाहिए, ताकि वैश्विक योगदान के संदर्भ में चीन को पछाड़ा जा सके। विकास दर 6.3 फीसदी से 8 फीसदी तक जाने के मद्देनजर हमें संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना होगा। भारत सरकार का डाटा साफ दिखाता है कि कोरोना-पूर्व 2018-19 से 2022-23 तक कार्यबल के एक हिस्से ने कृषि की ओर वापसी की है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से अब यह सबसे कम उत्पादकता वाला क्षेत्र है। उदाहरण है कि यदि एक परिवार कृषि के धंधे में है, तो अन्य परिजन भी, किसी अन्य रोजगार या नौकरी के अभाव में, कृषि से जुड़ सकते हैं। इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार और बढ़ोतरी को क्या फायदा हो सकता है? किसान परिवार की अतिरिक्त आमदनी भी नहीं बढ़ेगी। चूंकि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कार्यबल की छंटनी की गई। नौकरियां चली गईं या संबद्ध रोजगार भी छिन गया, नतीजतन लोग कुछ भी काम करने के मद्देनजर कृषि से जुड़ गए। 2022-23 में सिर्फ 11.4 फीसदी कार्यबल ही मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में था। इसका असर आम आदमी की निजी खपत और उपभोग पर भी पड़ा। उसका विस्तार नहीं हो सका। यही किसी भी उभरती और विकसित होती अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा हिस्सा होता है। भारत की आर्थिक विकास दर पर कइयों को हैरानी होगी, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं भी बहुत हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

देहरादून : स्पोर्ट्स कॉलेज व पवेलियन ग्राउंड में दिखा फुटबॉल फीवर

- एसएफए चैम्पियनशिप के दूसरे दिन फुटबॉल और बैडमिंटन का जोश रहा जारी
- दूसरे दिन खिलाड़ियों ने फुटबॉल और बैडमिंटन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 अक्टूबर : एसएफए चैम्पियनशिप के तीसरे संस्करण ने पूरे शहर को खेलभावना और ज़बरदस्त उत्साह से भर दिया। गोल्ड के लिए मुकाबला करते हुए प्रतिभागियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज ग्राउण्ड और पैविलियन ग्राउण्ड मेंफुटबॉल फीवर अपने चरम पर पहुंच गया, जब टीमों और प्रशंसकों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

एमपीएससी में ग्रीनलॉन एकेडमी ने अंडर-16 ब्वॉयज़ कैटेगरी में सेंटमैरी सैकण्डरी स्कूल को 5-0 के स्कोर से हराकर फुटबॉल मैच जीत लिया। वहीं परेड ग्राउण्ड में अंडर-15 ब्वॉयज़ कैटैगरी में 192 बैडमिंटन मैच हुए और मैदान का माहौल प्रतिस्पर्धा के जोश से भर गया।इन स्कूलों और एथलीट्स ने ज़बरदस्त खेल भावना एवं

समर्पण का प्रदर्शन कर अपने स्कूल को देहरादून में 'नंबरवन स्कूल इन स्पोर्ट्स' के भावी विजेता के रूप में स्थापित कर लिया है। एसएफए चैम्पियनशिप्स देहरादून में छिपी प्रतिभा को उभारते हुए खेल के क्षेत्र में शहर के टॉप स्कूल की पहचान करने व युवा एथलीट्स को नेशनल एवं इंटरनेशनल स्तर पर प्रतिस्पर्धा का मौका देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

गोपेश्वर कॉलेज में एबीवीपी ने किया यज्ञ

चमोली। एबीवीपी गोपेश्वर इकाई ने महाविद्यालय में चल रहे क्रमिक अनशन के दसवें दिवस मांगों को लेकर यज्ञ किया। छात्रों ने कहा कि यदि उनकी मांगों को लेकर जल्दी कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो पूरे महाविद्यालय एवं नगर में एक उग्र आन्दोलन किया जायेगा। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री चैन सिंह रावत, प्रांत सह मंत्री अमित मिश्रा, आयुष हटवाल जिला संयोजक अजय भंडारी, धीरज, दीपक, आयुष, नेहा रोहित, पवन, मयंक, प्रतीक, अमृता आदि मौजूद थे। इधर इसी महाविद्यालय परिसर में एनएसयूआई के छात्र भी महाविद्यालय से जुड़ी अपनी मांगों के लिए महाविद्यालय परिसर में अनशन पर बैठे हैं। कहा कि सरकार ने अभी तक छात्रों की समस्यायों का कोई समाधान नहीं किया गया है। यदि मांगें नहीं मानी गई तो एनएसयूआई बड़ा आन्दोलन करेगी ।

जोला के ग्रामीणों ने सीएम को भेजा ज्ञापन

चमोली। थराली के ग्राम पंचायत जोला के ग्रामीणों ने उप जिला अधिकारी थराली रविंद्र जुवाठा के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा है। ग्रामीणों ने लंबे समय से वन भूमि में निवासरत 50 से अधिक परिवारों का कब्जा न हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 1936 में ग्राम पंचायत जोला में देवीय आपदा के कारण भारी भूस्खलन के चलते खेत- खलिहान तथा मकान ध्वस्त हो गए थे, जिस कारण ग्रामीणों ने वन पंचायत की भूमि पर निर्माण किया था।

योग में संस्कृत विश्वविद्यालय को दो स्वर्ण व एक रजत

नई टिहरी(आरएनएस)। उत्तराखंड राज्य योगासन चैंपियनशिप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के छात्रों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। राज्य स्तर के विजेता छात्र अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। योगा एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से देहरादून में आयोजित 15वीं चैंपियनशिप में रघुनाथ कीर्ति परिसर के छात्र-छात्राओं ने पदक प्राप्त किए। स्पर्धा में श्री परिसर देवप्रयाग के छात्र चिराग शर्मा व आरती ने स्वर्ण पदक, प्रतीक सिंह चौहान ने रजत एवं रजत शर्मा व गौरव ने कांस्य पदक जीते।

संक्षिप्त खबरें

कलश यात्रा निकालकर शहीदों को किया याद

पौड़ी। मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत पाबौ में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पाबौ के खंड विकास अधिकारी टीएस रावत के निर्देशन में भव्य कार्यक्रम किया गया। जिसके तहत अमृत कलश यात्रा निकाली गई जो ब्लाक कार्यालय से निकली। कलश यात्रा में दर्जनों महिलाओ सहित क्षेत्रीय ग्रामीण जनप्रतिनिधियों सहित साथ चल रहे थे। यात्रा से पूरा क्षेत्र मेरी माटी मेरा देश के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान अध्यक्ष अनिल नेगी ने कहा कि बलिदानी, वीर वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए मेरी माटी-मेरा देश अभियान की शुरुआत की गई है। वहीं, कल्जीखाल ब्लाक में मेरी माटी मेरा देश शहीद सैनिकों के समान में कलश यात्रा निकाली गई। ब्लाक प्रमुख बीना राणा ने अपने सर पर ब्लाक के मुख्य द्वार से ब्लाक सभागार तक लाए। इस अवसर मुख्य अतिथि विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी, द्वारीखाल ब्लाक प्रमुख महेंद्र सिंह राणा, खंड विकास अधिकारी पी लखेड़ा, कल्जीखाल महा विद्यालय प्राचार्य बीके श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

मरीजों ने शिविर का उठाया लाभ

पौड़ी। हंस अस्पताल सतपुली व हंस क्लिनिक कोटद्वार में गुरुवार से दो दिवसीय जनरल सर्जरी स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर के पहले दिन में हंस अस्पताल सतपुली में 367 और हंस क्लिनिक कोटद्वार में 329 मरीजों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया । अस्पताल के प्रशानिक अधिकारी विमल भट्ट ने बताया कि शिविर में जनरल सर्जन डॉ अरुणेश दुबे व डॉ मयंक द्वारा सभी मरीजों की जांच की गयी । वहीं 129 मरीजों का अल्ट्रासांउड किया गया। जिसमें 38 मरीजों में पथरी से सम्बंधित, हर्निया एवं बवासीर की शिकायत पाई गयी जिनका हंस फाउंडेशन जनरल अस्पताल सतपुली में दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन किया जाएगा। इसके साथ 476 मरीजों को निशुल्क दवाइयां और ब्लड शुगर एवं खून की जांचें भी की गई। साथ ही बताया कि शिविर एक दिन और शुक्रवार को भी जारी रहेगा जिसका मरीज लाभ उठा सकते हैं।

पुलिस ने क्षेत्रीय प्रबंधक को खोया हुआ फोन लौटाया

पौड़ी। पुलिस कार्यालय में तैनात महिला जवान ने ईमानदारी का परिचय देते हुए ग्रामीण बैंक के प्रबंधक का खोया हुआ फोन वापस लौटाया। एसएसपी ने महिला जवान के कार्य की तारीफ करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। वहीं, प्रबंधक ने भी पुलिस की ईमानदारी की तारीफ की है। पुलिस कार्यालय में तैनात महिला जवान विजया राणा को एजेंसी चौक के पास एक मोबाइल पड़ा मिला। महिला जवान ने तुरन्त फोन स्वामी का पता किया तो पता चला कि यह मोबाइल ग्रामीण बैंक प्रबंधक पौड़ी प्रवीण कुमार गोयल का होना पाया गया। जिस पर महिला द्वारा ईमानदारी का परिचय देते हुए मोबाइल को प्रवीण कुमार गोयल के सुपुर्द किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि इस मोबाइल में बैंक से संबंधित मेरा महत्वपूर्ण डाटा था। गुरुवार को ग्रामीण बैंक प्रबंधक पौड़ी प्रवीण कुमार गोयल अपने सहकर्मियों के साथ पुलिस कार्यालय में आकर पौड़ी पुलिस की प्रशंसा की गयी और उनके द्वारा बताया गया कि पौड़ी पुलिस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी के नेतृत्व में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। प्रवीण कुमार गोयल, उनके सहकर्मियों द्वारा महिला जवान को सम्मानित किया।

शहर में हुआ ई-ऑटो का ट्रायल

पौड़ी। नगर पालिका पौड़ी की ओर से गुरूवार को परिवहन व पुलिस विभाग की देखरेख में ई-ऑटो का ट्रायल किया गया। ट्रायल को लेकर ई-ऑटो को शहर के बस स्टेशन से माल रोड, एजेंसी चौक, सर्किट हाउस होते हुए कंडोलिया, विकास भवन, छतरीधार और गल्ला गोदाम व प्रेम नगर तक संचालित किया गया। इस दौरान ई-ऑटो में चालक समेत तीन लोग बैठे। यह ई-ऑटो महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी का है। जो कि 3 एंपियर की 32 बैटरी के साथ लैस है। एक बार चार्ज होने पर ई-ऑटो करीब 120 किमी तक दौड़ सकता है। इस ऑटो में चालक समेत तीन सवारियां बैठक सकती हैं। आरटीओ प्रशासन द्वारिका प्रसाद ने बताया कि कि इस तरह का तीन पहिया पब्लिक यातायात की योजना पौड़ी जैसे उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में सफल नहीं है।

शिक्षा को व्यवसायिक शिक्षा से जोड़ा जाए : देहरादून डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 अक्टूबर : शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को नशे से दूर रखते हुए मुख्यधारा में लाने हेतु शिक्षा के साथ-2 व्यवसायिक शिक्ष ासे जोड़ा जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बने'' यह बात जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार आयोजित जनपद स्तरीय स्टीयरिंग समिति की बैठक में कही।

बैठक में वर्ष 2023-24 हेतु आयोजित की जाने वाली बालगणना के सम्बन्ध में चर्चा की गई। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्राविधानों के अनुसार 06-14 एवं 06-18 (दिव्यांग) वय वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने हेतु सभी बच्चों को चिन्हांकित करते हुए विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन एवं अपवंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है।

जिलाधिकारी ने शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु योजना बनाते हुए अभियान चलाकर कार्य करने के निर्देश शिक्षा विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा के साथ ही व्यवसायिक शिक्षा में व्यस्त रखें ताकि वे नशे की प्रवृत्ति एवं अपराधों से दूर रहें। इसके लिए बच्चों को नैतिक शिक्षा दी जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए उनके अभिभावकों को भी जागरूक करें, जिसके लिए एनजीओं का सहयोग ले लिया जाए।

उन्होंने कहा ऐसे बच्चे जो स्कूल नही जा रहे हैं उनको बस्तियों में ही पढाने की व्यवस्था करें। उन्होंने शिक्षा विभाग एवं बाल विकास विभाग को इस क्षेत्र में कार्य कर रहें सामाजिक संगठनों का सहयोग लेते हुए अभियान चलाने पर बल दिया । जिलाधिकारी ने बालगणना में बच्चों के चिन्हांकन कार्य को रणनीति के तहत पूर्ण करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में जिन स्कूलों में ग्राउण्ड आदि की सुविधा है का विवरण उपलब्ध कराएं ताकि इन स्कूलों में बच्चों के खेलने के लिए सुविधांए विकसित की जा सके ताकि बच्चे अपने निकटवर्ती ग्राउण्ड में खेल सके, खेलों से जुड़कर बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगें तथा बच्चों को मोबाईल एवं अवसादग्रस्त जीवन से दूर रखा जा सकता है।

बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि वर्ष वर्ष 2022-23 की बालगणना के आंकड़ों के अधार पर 2023-24 में विद्यालय से बाहर रह गए 454 बच्चों को एनआरएसटी बहुउद्देशीय वाहन (बटर फ्लाईज संस्था), एवं एनआरएसटी केन्द्रों के द्वारा 12 माह का विशिष्टि प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा प्रशिक्षण समाप्ति के उपरान्त केन्द्र के बच्चों को निकटतम प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आयुनुसार प्रवेश कराया जाएगा। बताया कि बालगणना में चिन्हित 454 बच्चों में से आउटऑफ स्कूल 409 बच्चों को एनआरएसटी केन्द्रों तथा 45 बच्चों को गृह आधारित शिक्षण कार्यक्रम के तहत सीधे प्रवेश के माध्यम से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

ज्ञातब्य है कि देहरादून के समस्त नगर क्षेत्र, विकासखण्ड रायपुर के संकुल रायपुर, नालापानी, अजबपुर, माजरा, सेवलाकला, सहसपुर के संकुल में कौलागढ, सेलाकुई, सहसपुर, झीवरहेड़ी, बनियावाला, विकासनगर के संकुल में विकासनगर, हरबर्टपुर, जीवनगढ तथा विकासखण्ड डोईवाला के संकुल में डोईवाला, मियावाला, गुजरोंवाली, बापूग्राम में बाह्य व्यवस्था से की जाने वाली बालगणना/घर-घर सर्वेक्षण के लिए चयनित संकुल बालगणना हेतु घर-घर सर्वेक्षण के लिए चयनित किये गए है। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेन्द्र कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी डोईवाला मंजू भारती, विकासनगर वीपी सिंह, पल्लवी जैन, पूजा नेगी, प्रभारी बीआरसी सहसपुर सुनील कुमार, उप शिक्षा अधिकारी रायपुर प्रेमलता भारती, राकेश शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

ये मुस्लिम परिवार 3 पीढ़ियों से करता है रामलीला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 अक्टूबर , शारदीय नवरात्र के साथ ही रामलीला के आयोजन की शुरुआत हो जाएगी. देशभर में कई सारी समिति रामलील का आयोजन कराती है. इन्हीं में एक से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुस्लिम परिवार है, जो हर साल रामलीला का आयोजन करता है. यह परिवार पिछली तीन पीढ़ियों से रामलीला का आयोजन और मंचन कर रहा है. इस मुस्लिम परिवार ने सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देते हुए 1972 से इसका मंच शुरू किया था. इस परिवार के लोग रामलीला में भगवान श्री राम, लक्ष्मण और रावण की अलग अलग भूमिकाएं निभाते हैं.

लखनऊ के बख्शी का तालाब इलाके में रहने वाला यह परिवार रामलीला का आयोजन करता है. इसमें मोहम्मद साबित खान निर्देशक की भूमिका निभाते हैं. वह हर साल अपने सभी का काम छोड़कर 15 दिनों तक रामलीला की तैयारी और मंचन करते हैं. जानकारी के अनुसार, यह रामलीला आज से सालों पूर्व 1972 में शुरू हुई. इसका आयोजन और मंचन हिंदू और मुस्लिम दोनों ही धर्म के लोग करते हैं. खान ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से ही रामलीला का समिति का हिस्सा हैं. वह मंचन और आयोजन दोनों में ही अपनी भूमिका निभाते हैं.

बेटे से लेकर पोते तक करते हैं मंचन

खान ने बताया कि उनके दो बेटे और एक पोता है. वह हर साल बहुत उत्साह के साथ नाटक में भाग लेते हैं. उन्होंने कहा कि उनकी आगे की भी पीढ़ी इसमें अपना रोल निभाती रहेंगी. लोग मंचन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं.

भगवान ने नहीं किया किसी को विभाजित

हिंदू और मुसलमानों द्वारा रामलीला आयोजन को लेकर खान कहते हैं कि उनका भगवान सभी के एक हैं. उन्होंने एकता का आह्वान किया. साथ ही कहा कि भगवान न तो लोगों को हिंदू बनाकर भेजता है और न ही मुलसमान बनाता है. यहां लोग खुद विभाजित होते हैं. भाई होने के नाते सब एक होते हैं. हमें इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहते हैं.

संस्कृत प्रतियोगिता में दिखा छात्र-छात्राओं का बेहतर प्रदर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग । संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया। इस मौके पर विजेता प्रतिभागी टीमों को पुरस्कृत किया गया। पहले दिन मुख्य अतिथि रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संस्कृत के महत्व और इसकी प्रासंगिता पर व्यापक प्रकाश डाला। जबकि समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने पुरस्कार वितरण किया। अटल उत्कृष्ट स्वामी सच्चिदानंद राइंका रुद्रप्रयाग में दो दिवसीय जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता में विधायक ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने संस्कृत भाषा को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिया जाए। विधानसभा की स्थाई समिति में संस्कृत प्रोत्साहन समिति का गठन किया गया है। इस मौके पर प्रतियोगिता के सह संयोजक विनोद प्रकाश भट्ट ने कहा कि इस प्रतियोगिता में 36 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया है। पहले दिन जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता हुई जबकि गुरुवार को सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता होगी। ब्लॉक स्तर के बाद चयनित छात्र-छात्राओं की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता हुई है जिसमें दोनों वर्गो में चयनित विद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगी। कार्यक्रम का संचालन खंड संयोजक गंगाराम सकलानी, सच्चिदानंद सेमवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर संस्कृत नाटक में राइंका रुद्रप्रयाग प्रथम, राजूहा खडिया ऊखीमठ द्वितीय और राउमावि थाती दिग्धार तृतीय रहा। संस्कृत समूहगान में राइंका रुद्रप्रयाग प्रथम, राइंका मणिगुह द्वितीय, एमएल पब्लिक स्कूल नाला गुप्तकाशी तृतीय रहा। संस्कृत समूह नृत्य में राइंका रुद्रप्रयाग प्रथम, राइंका जयंती कोठियाडा द्वितीय, राइंका रामाश्रम तृतीय रहा। संस्कृत वाद विवाद में राउमावि बष्टी प्रथम, राइंका पठालीधार द्वितीय, संस्कृत महाविद्यालय शोणितपुर तृतीय रहा। संस्कृत आशुभाषण में राइंका ग्वैफड़ प्रथम, राइंका पांजणा द्वितीय, राइंका रामाश्रम तृतीय रहा। श्लोकाचारण में नागेंद्र इंटर कॉलेज बजीरा प्रथम, राउमावि बष्टी द्वितीय, राइंका रुद्रप्रयाग तृतीय रहा।

यह लोग थे मौजूद- जनपद संयोजक प्रधानाचार्य हरेंद्र बिष्ट, सह संयोजक विनोद प्रकाश भट्ट, खंड संयोजक गंगाराम सकलानी, जखोली जगदम्बा प्रसाद चमोली, प्रधानाचार्य राजवीर भदौरिया, राजेंद्र सेमवाल, प्रवक्ता रीता सेमवाल, लक्ष्मी नेगी, निर्मला नेगी, प्रदीप सेमवाल, शैलेंद्र राणा, संतोष पंवार, भगत नेगी, नागेंद्र नेगी, मनोज थापा, कमलेश किशोर पांडेय, रमेश मैठाणी, नरेश जमलोकी, डीपी कोठारी आदि मौजूद थे।